हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 50 | देहरादून, मंगलवार, 09 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

महामहिम मुर्मू को बधाई मिले सीएम धामी।

3

राज्यपाल ने दिया 12 महिलाओं को तीलू रौतेली सम्मान पुरुस्कार

आशीष तिवारी की रिपोर्ट न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ मंत्री रेखा आर्य ने दी बधाई

2006 से महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं और किशोरियों के लिए हुई थी तीलू रौतेली पुरस्कार की शुरूआत

देहरादून में स्त्री शक्ति तीलू रौतेली व आंगनबाड़ी पुरुस्कार का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखंड की 12 महिलाओं और किशोरियों को तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया गया, साथ ही 35 महिलाओं को राज्य स्तरीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शिरकत की तो वही विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजपुर विधायक खजानदास जी ने की।

बाल विकास विभाग की ओर से राज्य स्त्री शक्ति तीलू रौतेली पुरस्कार के लिए अल्मोड़ा जिले से साहित्यिक क्षेत्र में कार्य के लिए डॉ. शशि जोशी, खेल के क्षेत्र में कार्य के लिए बागेश्ववर जिले से दीपा आर्य, चमोली जिले से सामाजिक क्षेत्र में कार्य के लिए मीना तिवाड़ी, बालिका शिक्षा एवं सामाजिक कार्य के लिए चंपावत जिले से मंजू बाला, पत्रकारिता के क्षेत्र में देहरादून जिले से नलिनी गोसाई, खेल के क्षेत्र में हरिद्वार जिले से प्रियंका प्रजापति, शिक्षा एवं स्वच्छता के क्षेत्र में नैनीताल जिले से विद्या मर्तोलिया, अदम्य साहसिक कार्य के लिए पौड़ी से सावित्री देवी, महिला स्वयं सहायता के क्षेत्र में कार्य के लिए पिथौरागढ़ जिले से दुर्गा खड़ायत, आजीविका संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य के लिए रुद्रप्रयाग जिले से गीता रावत, सामाजिक क्षेत्र में कार्य के लिए उत्तरकाशी जिले से लता नौटियाल एवं खेल के क्षेत्र में कार्य के लिए ऊधमसिंहनगर जिले से प्रेमा नौटियाल को सम्मानित किया गया।महिला सशक्तिकरण व बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि तीलू रौतेली और आंगनबाड़ी पुरस्कार के लिए चयनित महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है मैं इस पुरस्कार के चयन के लिए सभी को शुभकामनाएं देती हूं। साथ ही कहा कि इससे अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। वही कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नही हैं। आज हर क्षेत्र में महिलाएं अपना परचम लहरा रही हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि समाज मे भ्रूण हत्या एक महापाप है जिससे समाज मे लैंगिक असमानता फैली है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा इसी असमानता को खत्म करने के लिए पूर्व में साईकल यात्रा और अब कांवड़ यात्रा निकाली गई ,इस यात्रा के माध्यम से समाज को यह संदेश देने का काम किया गया कि हमारे समाज मे जो अधिकार बालको का है वही अधिकार बालिकाओ का भी है।

प्रदेश में अब हर साल अधिकतम 13

नितिन गडकरी ने उत्तराखंड को दिया बड़ा तोहफा : सीएम धामी ने की मुलाकात

सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्री नीतिन गडकरी से भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ राज्य से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय जनरल वी के सिंह, सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय मे अपर सचिव अमित घोष, उत्तराखण्ड शासन में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु सहित केंद्रीय मंत्रालय और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री ने देहरादून शहर को अत्यधिक यातायात एवं भीड़ से मुक्त कराने के लिए देहरादून रिंग रोड़ के निर्माण की फिजिबिल्टी सर्वे किये जाने की स्वीकृति दी , साथ ही हाईवे के साथ लगे लगभग 1100 एकड़ भूमि पर लाजिस्टिक पार्क / फल एवं शब्जी पार्क और आढ़त बाजार के लिए केंद्रीय मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री को प्रस्ताव दिया कि राज्य सरकार द्वारा उक्त प्रयोजन हेतु भूमि उपलब्ध कराने पर निर्माण पर आने वाले समस्त धनराशि केन्द्र सरकार द्वारा वहन की जायेगी। इस कार्य से देहरादून शहर में जाम / अव्यवस्थित आवागमन से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर कुमाऊँ और गढ़वाल के मध्य दूरी एवं समय कम करने के लिए नजीबाबाद- अफजलगढ़ बाई पास (लम्बाई 42.50 किमी०) की स्वीकृति प्रदान की गयी। बाई पास बनने से कुमाऊँ गढवाल के बीच की दूरी 20 किमी0 कम हो जायेगी तथा आवागमन में 45 मिनट की बचत होगी।

मझौला से खटीमा चार लेन सडक मार्ग की भी स्वीकृति प्रदान की गयी। उक्त मार्ग के निर्माण से उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत एवं बरेली हेतु भारी वाहनों एवं आम जनमानस का आवागमन सुलभ एवं आरामदायक होगा। इसके अतिरिक्त सितारगंज से टनकरपुर मोटर मार्ग को भी चार लेन में परिवर्तित करने की स्वीकृति प्राप्त हुई। मार्ग निर्माण से जनपद चम्पावत एवं पिथौरागढ आवागमन करने में काफी समय की बचत के साथ साथ मार्ग सुविधाजनक होगा। पिथौरागढ से अस्कोट मोटर मार्ग (लगभग 47 किमी) भी ऑल वेदर परियोजना की तरह स्वीकृत किये जाने पर सहमति बनी। यह मार्ग बी०आर०ओ० द्वारा निर्मित किया जायेगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में अधिग्रहित भूमि से ऊपर व नीचे यदि मार्ग निर्माण से भवनों एवं अन्य संरचनाओं में क्षति होती है तो उक्त क्षति की प्रतिपूर्ति भी भारत सरकार द्वारा किये जाने के लिये मुख्यमंत्री के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री द्वारा सहमति दी गई। इससे समस्त हिमालयी राज्यों को लाभ प्राप्त होगा। बैठक में अप्रैल 2023 में देहरादून में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार का आयोजन किये जाने पर भी सहमति प्रदान की गयी। उक्त सेमिनार में पर्वतीय क्षेत्रों के लिये उच्च गुणवत्तायुक्त टनल मार्गों का निर्माण किये जाने पर विषय विशेषज्ञों द्वारा विचार विमर्श होगा। इस सेमिनार में देश एवं विदेश के लगभग एक हजार लोग प्रतिभाग करेंगे।

क्या आपके पास है 0 रूपये का ख़ास नोट ?

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपने 1 रुपये से लेकर 2 हजार रुपये तक के नोट को देखा होगा। भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा छापे जाने वाले इन नोटों का इस्तेमाल हम सभी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। लेकिन हम आपको एक ऐसे नोट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर हैरान रह जाएंगे। क्या आपको पता है कि देश में जीरो रुपये का नोट भी छपा था? आइए जानते क्या है इस नोट की पूरी कहानी...

क्यों छापा गया था जीरो का नोट?

जीरो रुपये के नोट पर भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर छापी गई है। यह बिल्कुल दूसरे नोटों की तरह दिखाई देता है। लेकिन अब आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर जीरो रुपये के नोट क्यों छापे गए। इस नोट का होता क्या होगा? रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने इन नोटों को नहीं छापा था। इस नोट को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मुहिम के तहत छापा गया था।

इस जीरो रुपये के नोट को छापने का आईडिया दक्षिण भारत की एक NGO का था। साल 2007 में भ्रष्टाचार के खिलाफ इस नोट को हथियार के रूप में शुरू किया गया था। तमिलनाडु में काम करने वाली इस एनजीओ ने करीब 5 लाख जीरो रुपये के नोट छापे थे। इन नोटों को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम चार भाषाओं में छापा गया था जिसे लोगों में बांट दिया गया।

नोटों पर लिखा था खास मैसेज

इस नोट पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कई मैसेज लिखे थे। इन नोट पर लिखा था, 'भ्रष्टाचार खत्म करो', 'अगर कोई घूस मांगता है, तो इस नोट को दें और मामले के बारे में हमको बताएं। ना लेने की और ना देने की कसम खाते हैं।

इस नोट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और नोट पर नीचे एनजीओ का फोन नंबर और ईमेल आईडी दी गई थी। एनजीओ ही इस जीरो रुपये के नोट को बनाती थी और रिश्वत मांगने वाले लोगों को देती थी। जीरो रुपये का नोट भ्रष्टाचार के खिलाफ एक प्रतीक था।

मटके में बिरयानी बनाना है सेहत के लिए परफेक्ट : दिल रहेगा सुरक्षित

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मिट्टी के बर्तन, जो यंग जनरेशन को कुछ साल पहले तक आउटडेटेड लगते थे, अब वही 'कूल' लगने लगे हैं। बिरयानी, कुल्फी और तंदूरी चाय जैसी कई चीजें आजकल मिट्टी के बर्तनों में मिल रही हैं। लोग अपने घरों में भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।इसलिए आज जरूरत की खबर में बात करेंगे मिट्टी के बर्तन के फायदे के बारे में। साथ ही ये भी बताएंगे कि क्या मिट्टी के बर्तनों को साबुन से धोना चाहिए? तेल के दाग, बर्तन से हटाने के लिए क्या करना चाहिए ?उससे पहले बता दें कि एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाने से 87% पोषक तत्व, यानी न्यूट्रिएंट, पीतल के बर्तन में 7% और कांसे के बर्तन में 3% पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। मिट्टी का बर्तन यूज करने से पहले ये स्टेप्स फॉलो करें -

बाजार से लाने के बाद बड़े बर्तनों को 12 घंटे पानी में भिगोकर रखें।छोटे बर्तन जैसे गिलास, कटोरी, दही जमाने की हांडी को 6 घंटे भिगोएं।दूसरे दिन बर्तन में हल्का गर्म पानी डाल कर धोएं।धोने के लिए एक ब्रश का इस्तेमाल करें, ताकि एक्स्ट्रा मिट्टी निकल जाएं।.

यह भी याद रखें कि मेटल ब्रश का इस्तेमाल नहीं करना है।इसे धूप में अच्छी तरह से सुखाएं, फिर इसके अंदर खाने का तेल चारों ओर लगाएं।अब इसमें पानी भरकर गैस पर मध्यम आंच पर गर्म करें।आधे घंटे के बाद पानी को फेंक दें। इस तरह बर्तन खाना बनाने और खाने-पीने के लिए तैयार है।ये तीन बातें भी याद रखें - बाजार में मिलने वाले चमकीले और पेंट किए हुए मिट्टी के बर्तन में कई तरह के केमिकल होते हैं, जो नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए नॉर्मल दिखने वाले बर्तन ही लें।फ्रिज में मिट्टी के बर्तन रखने से पहले उसे ठंडा होने दें। अगर आप गर्म बर्तन ही फ्रिज में रख देंगे तो वह क्रैक हो जाएगा।कभी भी खाली मिट्टी के बर्तन को चूल्हे पर न रखें।

जब भी आप मिट्टी के बर्तन को ओवन से हटाते हैं तो इसे सीधे ठंडी सतह पर न रखें। इससे बर्तन टूट जाएगा। हमेशा ओवन मैट्स, या किसी टॉवेल पर रखें।

उत्तराखण्ड शासन
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
आज़ादी का
अमृत महोत्सव मनाएँ
उत्तराखण्ड में
13 से 15 अगस्त, 2022 तक
आइये, मिलकर फहराएं
हर घर तिरंगा
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

क्या आप जानते हैं राखी बांधने का सही नियम ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हर साल रक्षाबंधन का पावन पर्व सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। ये पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, स्नेह और प्यार का प्रतीक माना जाता है। रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए आरती उतारती हैं। साथ ही भगवान से उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं भाई प्रेम रूपी धागा बंधवाकर उम्रभर बहन की रक्षा का संकल्प लेते हैं और उन्हें उपहार देते हैं। रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय सही नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। आइए जानते हैं राखी बांधते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए....

राखी बांधते समय इन नियमों का रखें ध्यान –

रक्षाबंधन वाले दिन भाई-बहन दोनों स्नान करके नए कपड़े पहन लें। शुभ मुहूर्त में राखी बंधवाते समय सबसे पहले भाई अपने सिर पर कोई रुमाल रख लें। हिंदू धर्म में मान्यता है कि खाली सिर से राखी नहीं बंधवानी चाहिए।

साथ ही राखी बंधवाते समय भाई का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए और पीठ पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर होनी चाहिए। दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके राखी बंधवाना शुभ नहीं माना जाता है।

इसके बाद बहन भाई के माथे पर चंदन, कुमकुम व अक्षत से तिलक लगाएं। ध्यान रखें कि रक्षाबंधन की थाली सजाते समय कभी भी थाली में टूटे हुए अक्षत न रखें।

राखी बांधने से पहले बहनें इसमें तीन गांठ जरूर बांध लें। राखी में तीन गांठ बांधकर भाई की कलाई पर बांधना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि तीन गांठ का संबंध भगवानों से जुड़ा हुआ है।

राखी में तीन गांठ भगवान ब्रह्मा विष्णु और महेश को समर्पित होती है। पहली गांठ भाई की लंबी उम्र के लिए, दूसरी गांठ खुद की दीर्घायु के लिए और तीसरी गांठ भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की दीर्घायु के लिए बांधी जाती है।

आप ने किया पहाड़ की विशेष मातृ शक्ति को सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आम आदमी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर प्रदेश प्रभारी दिनेश मोहनिया के दिशा निर्देश में वीरांगना तिलु रौतेली सम्मान समारोह का कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक जोत सिंह बिष्ट के नेतृत्व में किया गया जिसमें उत्तराखंड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया गया एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बहनों को भी सम्मानित किया गया

सम्मान में प्रशस्ति पत्र 1 शॉल भेंट कर देश और प्रदेश में उनके द्वारा दिए गए कार्य की सराहना की गई एवं स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया जिन्होंने इस देश के लिए अपना अमूल्य बलिदान देकर हमको आजादी दी। सम्मान समारोह में शामिल हुए सम्मानित परिवार जन ,लक्ष्मी जुगरान, विजय कुमार ,अवधेश पंत, अतुल शर्मा, ज्ञान सिंह पवार ,संतोष कुमार गुप्ता ,राजकुमार अग्रवाल, संजीव राणा, महिलाओं ने बीना अग्रवाल भरतनाट्यम, प्रिया गुलाटी, दिलराज कौर खिलाड़ी ,गीता

चौहान ,मधु पुंडीर, रीता नेगी , आरती थापा, डा,जसलीन कालरा, सुशीला खत्री ,आदि सैकड़ों महिलाएं को तीलू रौतेली सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में शामिल प्रदेश मीडिया प्रभारी रविंदर आनंद, आरती रतूड़ी, आजाद अली,उमा सिसोदिया, सीपी सिंह, दर्शन डोभाल, कमलेश रमन ,सुधा पटवाल , सतीश शर्मा,विपिन खन्ना ,डी के पॉल, डिंपल सिंह,सीमा कश्यप, मंजू शर्मा , सुदेश सैनी ,मुकेश पांडे, नितिन जोशी, राधा सिंह, रिहाना परवीन,आशा खान , पंकज अरोड़ा, सागर हांडा, राजू मोरिया, बलवंत पंवार, आदि सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहे ,

महामहिम मुर्मू को बधाई - मिले सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी दिल्ली दौरे पर कई ख़ास मंत्रियों और पार्टी आलाकमान से मिल चुके है इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू को ऐतिहासिक जीत के साथ राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामना दी।

लक्ष्य ने जीता गोल्ड, सीएम धामी ने दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लक्ष्य सेन ने सोमवार को फाइनल में जीत दर्ज करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता. दो युवा खिलाड़ियों के बीच हुए पुरुष एकल फाइनल में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मलेशिया के दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी एनजी टीजे योंग को 19-21, 21-9, 21-16 से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करते हुए स्वर्ण पदक जीता. बाइस साल के योंग के खिलाफ 20 साल के लक्ष्य की यह लगातार तीसरी जीत है...

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लक्ष्य सेन द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के बैडमिंटन प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेन ने अपनी खेल प्रतिभा से प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश का नाम भी रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्वास्थ्य प्रभारी सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने किया औचक निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के नवनियुक्त स्वास्थ्यप्रभारी सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ राजेश कुमार ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन कैंसर अस्पताल, हर्रावाला, देहरादून, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भूपतवाला, हरिद्वार व मातृ एवं शिशुस्वास्थ्य विंग, महिलाचिकित्सालय, हरिद्वार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ राजेश कुमार को अस्पताल में कई खामियां नजर आई। आपको बता दे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व इसकालाभ आम-जन को पहुंचाने हेतु स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है।स्वास्थ्य विभाग, उत्तराखंड, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत हर्रावाला, देहरादून में 106 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 300 बिस्तरों के इस कैंसर अस्पताल को शकुंतला रानी सरदारी लाल ओबेरॉय शासकीय मातृत्व कैंसर अस्पताल के नाम से स्वीकृत किया गया है. कैंसर अस्पताल की निर्माण एजेंसी ने प्रभारी सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार को अवगत कराया कि लगभग 55

प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और मार्च 2023 तक काम पूरा कर लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया.इसके बाद प्रभारी सचिव ने हरिद्वार जिले में 9.5 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 30 बिस्तरों वाले शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भूपतवाला का स्थलीय निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव द्वारा पाया गया कि निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से हो रहा है, जिस पर प्रभारी सचिव ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्माणाधीन एजेंसी को निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया. जून 2023 की समय सीमा।

आजादी के अमृत महोत्वस को भव्य रूप से मनाया जायेगा - युगल किशोर पंत , डीएम , यूएस नगर

सलीम सैफ़ी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यूएस नगर के जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने जिले में 15 अगस्त स्वतंत्रा दिवस समारोह को भव्यता से मनाये जाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सभी विभागों और अधिकारीयों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्वस को यादगार के तौर पर मनाया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस की 75 वी वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता पर जनपद स्तरीय कार्यक्रम पुलिस लाईन में आयोजित होंगे। उन्होंने सभी कार्यलयाध्यक्षों को अपने अपने कार्यालयों में प्रातः 09:00 बजे ध्वजारोहण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी युगल किशोर पंत ने कहा कि जिला कार्यालय में 09:30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। उन्होने बताया कि प्रातः 10:00 बजे ध्वजारोहण एवं जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन रूद्रपुर पुलिस लाईन में किया जायेगा। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि 14 व 15 अगस्त की सांय 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक सरकारी भवनों, इमारतों, स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक स्मारकों को हल्की एलईडी लाइटों से प्रकाशमान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनपद मुख्यालय के प्रमुख चैराहों पर दिनांक 14 अगस्त,2022 को सांय 6:00 बजें से रात्रि 9:00 बजे तक व दिनांक

15 अगस्त,2022 को प्रातः 6:00 बजे से 11:00 बजे पूर्वान्ह तक लाउडस्पीकर के माध्यम से देश प्रेम एवं देश भक्ति के गीतों का प्रसारण सूचना विभाग द्वारा किया जायेगा।

जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि अमृत सरोवर योजनान्तर्गत जनपद में निर्मित 34 तालाबों पर भी पहली बार ध्वजारोहण किया जायेगा। उन्होंने तालाबों पर ध्वजारोहण की तैयारी समय से पूर्ण करने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिये।

जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि 13 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर झण्डा अभियान के प्रति जनता को जागरूक किया जाये और आजादी का अमृत महोत्सव के साथ ही लोकतंत्र की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाये। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सैनिक अथवा उनके आश्रितों को तहसीलों में आमंत्रित कर उनको सम्मानित किया जाए। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये है कि विभागो द्वारा उद्यान व वन विभाग से समन्वय बना के वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया जाये। उन्होने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि 15 अगस्त 2022 को प्रातः 07:00 बजे से प्रभात फेरी निकाली जाये और चुनिन्दा विषय पर 500 शब्दों की निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की जाये।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा सभी कार्मिक फॉर्मल ड्रेस में ही कार्यक्रम में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम में प्लास्टिक तथा पोलीथीन का प्रयोग न किया जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन जय भारत सिंह, मुख्य कोषाधिकारी डॉ.पंकज कुमार शुक्ल, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, उप जिलाधिकारी प्रत्यूष सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना मुख्यालय में लगा बूस्टर डोज वैक्सीनेशन कैंप, डीजी सूचना रणवीर सिंह चौहान ने जताया आभार

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा रिंग रोड स्थित सूचना भवन निदेशालय में कोविड बूस्टर डोज वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया।

इस दौरान महानिदेशक सूचना रणवीर सिंह चौहान ने वैक्सीनेशन कैम्प का निरीक्षण कर कैम्प में मौजूद पत्रकारों से मुलाक़ात की। महानिदेशक ने वैक्सीनेशन कैंप में मौजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

सूचना भवन में आयोजित कैम्प में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक 372 डोज़ लगाई गई, जिसमें पत्रकार, सूचना विभाग के कर्मचारियों सहित अन्य विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों व उनके परिजनों का टीकाकरण किया गया।

इस दौरान अपर निदेशक डॉ. अनिल चंदोला, संयुक्त निदेशक आशीष त्रिपाठी, उप निदेशक डॉ. नितिन उपाध्याय, उप निदेशक मनोज श्रीवास्तव, व्यवस्थाधिकारी रामपाल रावत समेत स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुड्डी मटूड़ा, पुनीता सिंह, आरती रावत, सेवक राम, सौरभ कुमार, उमेश शीर्षवाल मौजूद रहे।

देहरादून में आज निकलेगा मुहर्रम का जुलूस, ये रुट रहेंगे बाधित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः इस्लामिक कैलेंडर के पहले महीने का नाम मुहर्रम है. मुसलमानों के लिए ये सबसे पवित्र महीना होता है. इस महीने से इस्लाम का नया साल शुरू हो जाता है. मुहर्रम माह के 10वें दिन यानी 10 तारीख को रोज-ए-आशुरा कहा जाता है.इस दिन को इस्लामिक कैलेंडर में बेहद अहम माना गया है, क्योंकि इसी दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई. इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब के छोटे नवासे हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला में अपने 72 साथियों के साथ शहादत दी थी. इसलिए इस माह को गम के महीने के तौर पर मनाया जाता है और शिया मुसलमान ताजिया निकालते हैं. देहरादून में मुहर्रम जुलूस को देखते हुए रूट डायवर्जन के साथ नया ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है.जुलूस के ईसी रोड से प्रस्थान करने के दौरान ईसी रोड की ओर कोई ट्रैफिक नहीं आएगा. यूकेलिप्टस चौक, बेनी बाजार और सर्वे चौक से यातायात डायवर्ट किया जाएगा. जुलूस के सर्वे चौक पास करने पर ईसी रोड का यातायात सामान्य किया जाएगा और सर्वे चौक से परेड ग्राउंड की ओर कोई यातायात नहीं भेजा जाएगा. यातायात क्रॉस रोड से बुद्धा चौक होते हुए जाएगा.परेड ग्राउंड पर रोजगार तिराहा, कॉन्वेन्ट तिराहा, लैंसडाउन चौक की ओर मुहर्रम का जुलूस जायेगा जिस दौरान जुलूस के सापेक्ष कोई भी यातायात नहीं भेजा जायेगा. यातायात सर्वे चौक की ओर भेजा जाएगा. जुलूस लैंसडाउन चौक से दर्शनलाल चौक जाने पर सर्वे चौक का यातायात सामान्य कर दिया जाएगा और लैंसडाउन-दर्शनलाल चौक की ओर कोई यातायात नहीं भेजा जाएगा.दर्शनलाल चौक, तहसील चौक, इनामुल्ला बिल्डिंग की ओर जुलूस जाने पर जुलूस के पीछे कोई यातायात नहीं भेजा जाएगा. यातायात दर्शनलाल चौक, बुद्धा चौक, दून चौक, द्रोण होटल कट की ओर भेजा जाएगा. इनामुल्ला बिल्डिंग पर जुलूस समाप्त होने पर सम्पूर्ण यातायात सामान्य कर दिया जाएगा.

जन सुनवाई की शिकायतों का तय समय में हो समाधान : सोनिका, डीएम देहरादून

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

"जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली शिकायतों को संबंधित विभाग निर्धारित समय पर निराकरण करते हुए शिकायतकर्ता को भी अवगत कराएं, तथा जिन शिकायतों पर दो-तीन विभागों को मिलकर कार्यवाही की जानी है आपसी समन्वय कर उस पर कार्यवाही करते हुए निस्तारण करें'' यह बात जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कही।

जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 76 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें अधिकतर शिकायतों संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया। तथा शेष शिकायतों को जिलाधिकारी द्वारा यथाशीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सोमवार को जनसुनवाई कार्यक्रम में अतिक्रमण, भूमि कब्जा, भूमि खरीद-फरोख्त पर रोक हटाने, अवैध अतिक्रमण हटाने, अवैध निर्माण ध्वस्तिकरण करवाने, स्ट्रीट लाइट लगाने, क्षतिग्रस्त पेयजल ठीक कराने, भरण-पोषण दिलवाने, फुटपात पार्किंग हटाने, शराब लाइसेंस , शस्त्र लाइसेंस, निर्गत करने, दुकान पर किए गए जबरदस्ती कब्जा हटाने, पेशंन, पशुओं पर दूध बढ़ाने हेतु लगाए जाने वाले आक्सोटाइसिन प्रतिबंधित इंजेक्शन पर रोक लगाने, जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करने, जल भराव, प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने, पड़ोसियों द्वारा मार-पीट किए जाने, दीवार लगाने, रास्ता रोकने आदि शिकायतें प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त हो रही ऐसी शिकायतें जिन पर जांच के बाद निस्तारण होना है ऐसी शिकायतों को एक माह के भीतर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। साथ ही जिन शिकायतों के निस्तारण में एक से अधिक विभागों को जांच करनी है ऐसी शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय करते हुए शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी अपने स्तर पर ही समस्याओं का निस्तारण करें ताकि लोगों को अनावश्यक न भटकना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी चालान करने तक ही सीमित न रहे बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें। यह निर्देश जिलाधिकारी ने प्रतिबंधित इंजेक्शन पशुओं पर लगाए जाने की शिकायत पर दिए।

जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 शिव कुमार बरनवाल, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, उप जिलाधिकारी सदर/मसूरी नरेश चन्द दुर्गापाल सहित संबंधित समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी ऋषिकेश शैलेन्द्र नेगी, चकराता सौरभ असवाल, विकासनगर विनोद कुमार एवं डोईवाला युक्ता मिश्रा वर्चुअल माध्यम से जनसुनवाई में जुड़े रहे।

2025 तक उत्तराखण्ड का नाम पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य के क्षेत्र में होगा देश में अव्वल : सौरभ बहुगुणा

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सरकार में पशुपालन, डेयरी विभाग श्रम एवं कौशल विकास एवं गन्ना विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा की अध्यक्षता में पशुपालन डेरी एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों एवं पशुपालकों के साथ पशुपालकों की आय वृद्धि एवं रोजगार सृजन के उद्देश्य से चिन्तन शिविर का आयोजन किया गया।

इस बेहद अहम और बड़ी मीटिंग में सभी जनपदो के जनपद स्तरीय अधिकारियों ने आनलाइन शामिल होकर चिन्तन शिविर में हिस्सा लिया । उत्तराखंड सरकार का लक्ष्य सामने रखते हुए इस चिन्तन शिविर मे युवा विभागीय मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सभी विभागों को 2025 से पहले अपने विभागों की कार्ययोजना के माध्यम से पशुपालकों के लिए ऐसी योजना बनाने का निर्देश दिया है जिसके माध्यम से रोजगार के नए अवसर सृजित हो और उत्तराखण्ड का नाम पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में हो सके। चिन्तन शिविर में मंत्री सौरभ बहुगुणा ने पूरे प्रदेश से आए प्रगतिशील पशुपालकों से सीधा संवाद किया गया तथा दूध की डेयरी द्वारा लम्भित भुगतान समस्या का मौके पर निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

सचिव पशुपालन डा० वी०आर० सी० पुरुषोत्तम ने कार्यक्रम में पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य द्वारा वर्तमान में चलाई जा रही योजनाओ एवं भारत सरकार की सहायतायित योजनाओ की क्रियान्वित करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए। विभागीय मंत्री ने सभी विभागों को रोजगार सृजन, पलायन को रोकने एवं पशुपालकों की समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए।

डा० अजयपाल असवाल, पशुचिकित्सा अधिकारी, कालसी फार्म ने अपने प्रस्तुतिकरण में देशी एवं विदेशी उन्नत नस्ल के भ्रूण प्रत्यारोपण के द्वारा पैदा करने तथा उन्नत नस्ल के सैक्स साटैंड सीमेन के द्वारा लाभान्वित करने के साथ चारागाह एवं चारा की कमी को दूर करने के उपाय एवं कार्ययोजना प्रस्तुत की, डा० राकेश सिंह नेगी, संयुक्त निदेशक पशुपालन द्वारा नए एवं पुराने पशुपालन उद्यमियों के लिये भारत सरकार द्वारा उपलब्ध योजनाओं से लाभ लेते हुए नए पशुपालन उद्यम लगाने के लिये सुझाव दिए। मुकेश बोरा, मा० अध्यक्ष, उत्तराखण्ड सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड ने डेयरी कापरेटिव द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं एवं किसानों की समस्याओं को दूर करने के सुझाव एवं योजनाओं में पर्वतीय मैदानी क्षेत्रों के लिए योजनाए बनाने के सुझाव दिए।

डा० अविनाश आनन्द, अपर निदेशक, मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड शीफ एवं यूल डेवलपमेन्ट बोर्ड ने पर्वतीय क्षेत्रों के लिए लिए बकरी पालन की योजनाओं एवं नये प्रोजेक्ट की जानकारी दी गयी आनलाइन माध्यम से भारत सरकार से जुडे डा० प्रवीण मलिक, कमीशनर पशुपालन विभाग भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को पशुपालन सम्बन्धी योजनाओं के संचालन के लिये हर सम्भव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया डा० मलिक देश में फैल रही लम्पी स्क्रीन डिजीज को रोकने के लिए तत्काल सीमान्त क्षेत्रों में पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए जागरूकता एवं रोकथाम उपाय करने के लिए कार्य करने के सुझाव दिया गया ।

श्री जयदीप अरोडा, संयुक्त निदेशक, डेयरी विकास ने डेयरी विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं रोजगार परक योजनाओं की जानकारी दी। संजय लखोटिया, डेयरी एवं कुक्कुट पालन काशीपुर उधमसिंहनगर ने पशुपालन से बढावा देने के लिए अपने अनुभव एवं सुझाव दिये। हरीश चैहान, डेयरी उद्यमी ने पशुपालन के क्षेत्र में आ रही समस्याओं से अवगत कराते हुए इनके निदान हेतु विभागों को कार्ययोजना बनाने। के लिए सुझाव उपलब्ध कराये।

कार्यक्रम में निदेशक, पशुपालन, डा० प्रेमकुमार, अपर सचिव, नितिन भदोरिया, . प्रदीप जोशी, संयुक्त सचिव, डा० बी०सी० कर्नाटक, अपर निदेशक (सी०ई०ओ० यू०एल०डी०बी०) डा० लोकेश कुमार, अपर निदेशक, पशुपालन, डा० नीरज सिंह संयुक्त निदेशक, डा० विद्यासागर सापक्षी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, देहरादून एवं प्रदेश के विभिन्न भागों से आये प्रगतिशील पशुपालकों ने भाग लिया।

संपादकीय

कोरोना से बचाव

देश के कुछ राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामलों में अचानक बढ़ोतरी चिंताजनक है. शनिवार को कुल 19,406 मामले सामने आये और 49 लोगों की मौत हुई. केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सात राज्यों- दिल्ली, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और तेलंगाना- को विशेष निर्देश देते हुए निगरानी बढ़ाने को कहा है. इन राज्यों के अलावा कुछ अन्य राज्यों में भी संक्रमण बढ़ा है. निगरानी इसलिए भी आवश्यक है कि संक्रमितों के लक्षण और जांच नतीजों में कुछ बदलाव देखने को मिले हैं. आगामी कुछ महीनों में कई त्योहार हैं तथा ऐसे आयोजन होने हैं, जिनमें अधिक भीड़ होती है. ऐसे में अधिक सावधानी और सतर्कता जरूरी है. व्यापक स्तर पर टीकाकरण होने तथा लोगों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से कोरोना वायरस का संक्रमण पहले की तरह खतरनाक नहीं रह गया है. जिन संक्रमितों की मौत हुई है, वे अन्य घातक बीमारियों से पहले से ही ग्रस्त थे, जिसे संक्रमण ने जानलेवा बना दिया है. ऐसे में उन लोगों को अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है, जिन्हें मधुमेह, हृदय रोग या अन्य गंभीर बीमारियां हैं. बुजुर्गों को लेकर भी हमें चौकस रहना है. टीकों की दो खुराक ले चुके लोगों के लिए बूस्टर डोज की प्रक्रिया चल रही है, जिन्हें सरकारी केंद्रों पर निशुल्क लगाया जा रहा है. कुछ पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बूस्टर खुराक लेने का आह्वान किया है. स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी इस बात पर जोर दे रहे हैं. ऐसा देखा जा रहा है कि बूस्टर डोज को लेकर लोग बहुत अधिक उत्साह नहीं दिखा रहे हैं. अभी भी ऐसे लोग बचे हुए हैं, जिन्होंने या तो एक भी खुराक नहीं ली है या एक खुराक लेने के बाद लापरवाह हो गये हैं. किशोरों में भी टीकाकरण की रफ्तार संतोषजनक नहीं है. इससे कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर होती है. अभी भी कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाने, हाथ धोते रहने तथा समुचित दूरी बरतने के निर्देश लागू हैं. बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, शिक्षण संस्थान जैसी भीड़-भाड़ वाली जगहों में भी अधिकतर लोगों को बिना मास्क पहने हुए देखा जा सकता है. सरकार और चिकित्सकों की ओर से बार-बार यह आग्रह किया जा रहा है कि इनके पालन से परहेज ठीक नहीं है. ध्यान रहे, भले ही टीका लगाये हुए और अपेक्षाकृत युवा लोग संक्रमण का शिकार न हों, पर उनके माध्यम से वायरस वैसे लोगों तक पहुंच सकता है, जिनके लिए वह घातक हो सकता है. कोरोना महामारी से हमें निजात मिल ही रही है कि मंकीपॉक्स के संक्रमण ने नयी चिंता पैदा कर दी है. बरसात के मौसम में विभिन्न प्रकार के फ्लू, डेंगू, बुखार आदि की समस्याएं भी आम हैं. ऐसी स्थिति में हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते हैं. संक्रमण की रोकथाम और टीकाकरण के मामले में भारत पूरी दुनिया में एक उदाहरण के रूप में स्थापित हुआ है. इस उपलब्धि को हमें और आगे ले जाना है.

एमडीडीए वीसी बृजेश कुमार संत के नेतृत्व में दौड़ा बुलडोज़र - ध्वस्त हुए अवैध निर्माण , प्लॉटिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सख्त आदेशों का असर एमडीडीए की ताबड़तोड़ कार्यवाहियों में नज़र आ रहा है। विभाग की कमान सम्हालने के बाद से ही बृजेश कुमार संत की कड़ी कार्यवाही से अवैध निर्माण करने और ज़मीन कब्ज़ाने वालों की नींद उड़ा दी है। अब एकबार फिर सोमवार को कई अलग अलग मामलों में एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया के आदेशों के पालन में प्राधिकरण सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत (१ से 4) व अभिषेक भारद्वाज (5) के नेतृत्व में प्राधिकरण टीम द्वारा बड़ी कार्यवाही की गयी है जिसका ब्यौरा ये है -

१. मो० मजबूर इरफ़ान और अन्य द्वारा हरभजवाला, आर्केडिआ ग्रांट देहरादून में लगभग १६ बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया गया।

२. रविंद्र सिंह बिष्ट द्वारा बड़ोवाला , शिमला बाई पास रोड , देहरादून में लगभग ६० गुणा ५ फ़ीट के क्षेत्रफल में ६ दुकानों का निर्माण विना स्वीकृति के किया जा रहा था , जिसको प्राधिकरण टीम द्वारा सील कर दिया गया। . मौ० नदीम द्वारा बडोवाला , शिमला बाई पास रोड , पेट्रोल पंप के सामने लगभग ४० गुणा ८ फ़ीट के क्षेत्रफल में बेसमेंट एवं प्रथम ताल पर कालम पर व्यावसायिक निर्माण विना स्वीकृति के किया जा रहा था , जिसको प्राधिकरण टीम द्वारा सील कर दिया गया। प्रश्नगत निर्माण को प्राधिकरण द्वारा दिनांक २८.७. २०२२ को सील किया गया था , जिस पर मौ० नदीम द्वारा छेड़ छाड़ किये जाने के कारण चेतावनी देते हुए पुनः सील कर दिया गया।

४. परशुराम भवन स्वामी निवासी शिव मंदिर से पहले तुन्तोवाला गाँव शिमला बाइ पास रोड देहरादून द्वारा लगभग ७० फ़ीट गुणा १२० फ़ीट क्षेत्रफल में डेरी के उद्देश्य से विना स्वीकृति के भवन निर्माण किया जा रहा था जिसे प्राधिकरण टीम द्वारा सील कर दिया गया।

5 अमरजीत सिंह द्वारा जोहड़ी गांव , दून वैली पब्लिक स्कूल , देहरादून के लगभग 15 बीघा भूमि पर अवैध प्लॉटिंग का कार्य किया जा रहा था जिसे ध्वस्त कर दिया गया ।

सिर्फ 587 रुपये में मिलेगा सिलेंडर, जानिए कैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

खुशखबरी, रसोई गैस की कीमत कम होने वाली है, जी हाँ, आपने सही पढ़ा। हर दिन बढ़ती महंगाई से लोग पहले से ही परेशान हैं। तो एक आम आदमी क्या खा-पीएगा? जैसे सोने के दाम है वैसे ही घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत आसमान छू गई है जैसे रुपया डॉलर में बदल गया है लेकिन अब आपको राहत मिलने वाली है।

दरअसल, घरेलू गैस सिलेंडर पर फिर से सब्सिडी लागू की जाएगी। जिसके बाद जो गैस फिलहाल 900 रुपये में मिल रही है। इसकी कीमत 587 रुपये होगी।मालूम हो कि कोरोना वायरस के दौरान सरकार ने गैस पर दी जाने वाली सब्सिडी को हटा दिया था. अब सरकार इसे फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। सूत्रों की मानें तो अगले महीने से आपके खाते में गैस पर सब्सिडी आने लगेगी। सब्सिडी के आने से देश के लाखों-करोड़ों लोगों को राहत मिलेगी। बता दें कि सब्सिडी की राशि 303 रुपये है।इसके अलावा आपके पास कंपोजिट गैस सिलेंडर अपनाने का बेहतर विकल्प है। आपको बता दें कि सरकार ने अब पूरे देश में कंपोजिट सिलेंडर को मंजूरी दे दी है। कंपोजिट सिलेंडर सामान्य गैस सिलेंडर की तुलना में काफी हल्का होता है। यह पूरी तरह से पारदर्शी है। इसमें बाहर से पता लगाया जा सकता है कि कितनी गैस की खपत हुई है और कितने बच्चे हैं। लो ऑपोजिट गैस सिलेंडर हल्का और मजबूत सिलेंडर होता है। यह 10 और 5 किलो में उपलब्ध है। इस गैस को आप 634 रुपये में खरीद सकते हैं।

HSRP के बाद फिर बदला जा रहा नंबर प्लेट सिस्टम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के बाद अब एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर) सिस्टम लागू होने जा रहा है। बता दें कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी टोल प्लाजा से निजात दिलाने के लिए काम कर रही है। जिसमें अब एक नई बात जुड़ने जा रही है, जिसकी जानकारी भारत के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दी है, जहां भारत के टोल सिस्टम को बदलने के लिए जीपीएस टोल सिस्टम समेत कई विकल्प देखने को मिल रहे हैं. सिस्टम में नया नंबर प्लेट सिस्टम। की बात की जा रही है।अभी तक देखने में आया है कि हाईवे पर सफर के दौरान गाड़ी में लगे फास्टैग से पैसे कट जाते हैं। लेकिन नई तकनीक लागू होने के बाद आपके वाहन की नंबर प्लेट स्कैन होगी और फास्टैग से पैसे कटेंगे। इसका फायदा यह भी है कि लोगों को किलोमीटर के हिसाब से भुगतान करना होगा। जानकारी के मुताबिक टोल पर एक साथ पैसे वसूल किए गए। लेकिन नए सिस्टम में आपको रुपये देने होंगे। इससे इस सिस्टम में हाईवे पर एंट्री और एग्जिट प्वाइंट बनाया जाएगा। वाहन में प्रवेश करते ही नंबर प्लेट स्कैन हो जाएगी। फिर प्रवेश और निकास की दूरी के हिसाब से यात्रियों के खाते से पैसे कटेंगे. दरअसल, इस तकनीक की शुरुआत 2019 से ही हो गई थी, जिसके बाद निर्माता के लिए यह नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य हो जाएगा। यानी पुरानी नंबर प्लेट को बदलकर नई नंबर प्लेट लगाई जाएगी। इस नई नंबर प्लेट में एक सॉफ्टवेयर अटैच किया जाएगा, जिससे टोल काटा जाएगा।

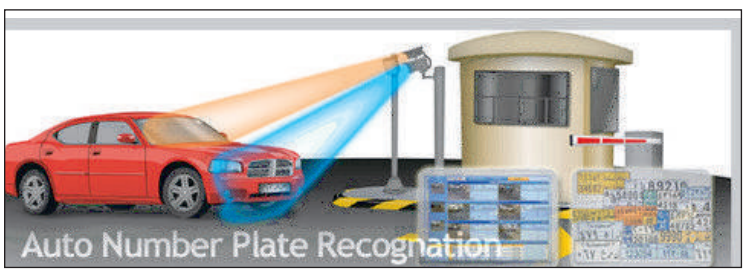

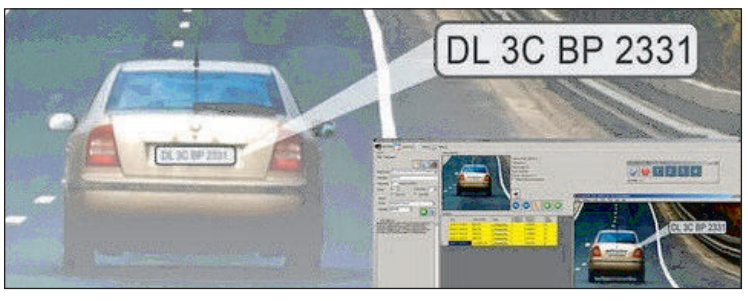

यह एक विकल्प चुनें से झट से मिलेगी कंफर्म टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

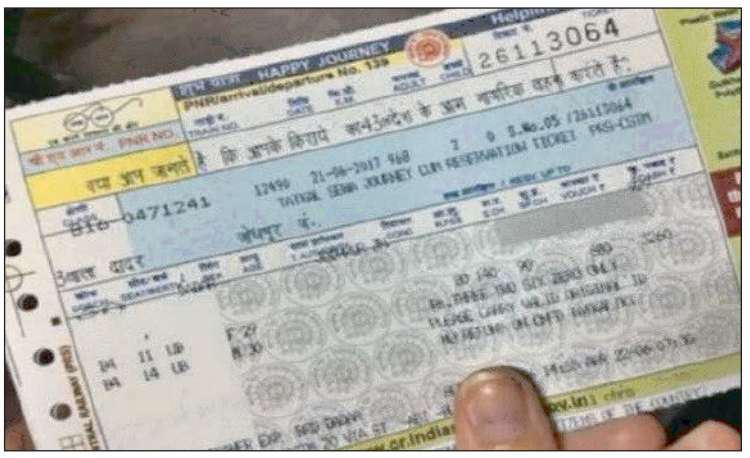

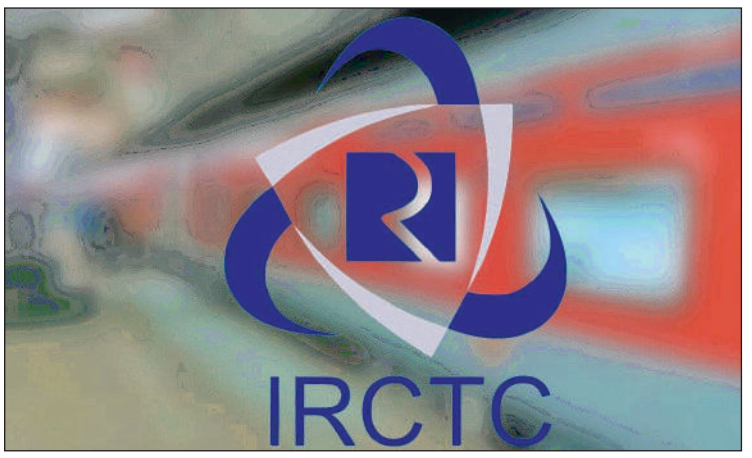

अब कन्फर्म टिकट नहीं मिलने से परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस खबर में हम आपको कुछ ऐसे तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं जिससे आपको तत्काल रेल टिकट बुकिंग में कभी कोई दिक्कत नहीं होगी। और आपको हमेशा एक कन्फर्म टिकट मिलेगा।हर दिन लाखों लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं। तो यह आम बात है कि लाखों से ज्यादा लोगों ने टिकट बुक करा लिए होंगे, लेकिन कंफर्म टिकट पाना भी कोई आसान बात नहीं है। तो कई बार ऐसा होता है कि हमें अचानक ट्रेन से यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में हम कोशिश करते हैं कि तत्काल टिकट लिया जाए।

गौरतलब है कि रेलवे अपने यात्रियों की सुविधा के लिए समय-समय पर इसमें बदलाव करता रहता है। इसके साथ ही आईआरसीटीसी टिकट बुकिंग के विकल्प में भी बदलाव करता रहता है, ताकि यात्रियों के लिए बुकिंग को आसान बनाया जा सके। इसी क्रम में आईआरसीटीसी ने एक और बड़ा बदलाव किया है, जिससे आपको टिकट लेने में दिक्कत नहीं होगी। गौरतलब है कि एसी तत्काल टिकट की बुकिंग सुबह 10 बजे से शुरू हो जाती है, जबकि स्लीपर क्लास की बुकिंग सुबह 11 बजे से शुरू हो जाती है। ध्यान रहे कि तत्काल टिकट की बुकिंग में समय सबसे ज्यादा मायने रखता है। अगर आप सही समय पर बुकिंग करते हैं तो आपको कोई दिक्कत नहीं होगी और आपको टिकट भी मिल जाएगा, नहीं तो आपको परेशानी हो सकती है।

- तत्काल टिकट बुक करने से पहले अपनी यात्रा सूची तैयार रखें।- इससे आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर दोबारा यात्रियों की डिटेल नहीं डालनी होगी।-यात्रा सूची तैयार होने के बाद, आप इसे सहेज सकते हैं।-इसके बाद जैसे ही बुकिंग शुरू होती है आपको बस कन्फर्म पर जाना है।-इसके बाद यात्रा सूची का चयन करने के बाद सभी यात्रियों का विवरण स्वयं दर्ज किया जाएगा।-तत्काल टिकट बुक करते समय आपको दोबारा डिटेल भरने की जरूरत नहीं होगी।-जैसे ही आप यात्रा सूची का चयन करेंगे, सभी यात्रियों का विवरण अपने आप भर जाएगा।-अब आपके सामने Payment का Option आएगा।-इसके बाद यहां आप पेमेंट करने के लिए UPI, क्रेडिट/डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर सकते

इन 3 स्टेप्स से आप अपना आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास और आत्म-छवि सभी एक ही बंडल में आते हैं- अपने बारे में अच्छा महसूस करने के बारे में, हारने वाले की तुलना में विजेता की तरह महसूस करने के बारे में। रास्ते में क्या मिलता है? आम तौर पर, एक कारण और एक परिणामः इसका कारण यह है कि आपने बहुत आत्म-आलोचनात्मक होना सीख लिया है, संभवतः आपके आस-पास आलोचनात्मक और असमर्थित लोगों के होने से। आप अपने आप को कभी विराम नहीं देते; यहां तक कि छोटी से छोटी गलती- जले हुए बिस्कुट- एक और अवगुण है और आपकी अक्षमता का संकेत है। आपकी अपेक्षाएं असंभव रूप से अधिक हैं, और सब कुछ-यहां तक कि बिस्कुट-जो आप कर रहे हैं वह समग्र क्षमता पर मापा जाता है।

लेकिन इस चल रही आलोचना का नतीजा यह है कि आपने अपनी छवि को ठोस बनाते हुए खुद को छोड़ना सीख लिया है। अब आप कुछ भी नया करने की कोशिश नहीं करते हैं क्योंकि आप ₹जानते हैं₹ कि यह काम नहीं करेगा। आप अपने सपनों को छोड़ देते हैं क्योंकि आप ₹जानते हैं₹ कि आप उन तक नहीं पहुंच सकते। आप ₹हारे हुए₹ में से एक हैं; तुम्हारा जीवन छोटा हो जाता है, त्याग से भर जाता है। आप उन ब्रेक-आउट अनुभवों से बचते हैं जो सभी अंतर ला सकते हैं।

उस अंतर को बनाने और उस कहानी को बदलने का समय आ गया है। उस आउटवर्ड बाउंड कोर्स की तरह, अपनी आत्म-छवि बदलने के लिए, और अपने आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए, आपको अपनी भावनाओं या दृष्टिकोण को बदलकर शुरू करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आप जो करते हैं उसे बदलकर शुरू करें।

यहाँ कुछ युक्तियाँ हैं:

1. एक चुनौती निर्धारित करेंऐसा क्या है जो आप अपने बारे में सबसे ज्यादा बदलना चाहते हैं? यह कुछ शारीरिक हो सकता है - अधिक व्यायाम करना, कम पीना। या संबंधपरक- बोलना और दूसरों को बताना कि आपको इसे पकड़ने के बजाय क्या परेशान करता है। एक बात उठाओ। विषय अंततः मायने नहीं रखता। क्या मायने रखता है कुछ महत्वपूर्ण चुनना जो आपको कार्रवाई में प्रेरित करने के लिए पर्याप्त है।

2. बेबी स्टेप्स को मैप करेंयह कुंजी है। आप बाहर निकलने के लिए तैयार हो सकते हैं, लेकिन खतरा यह है कि आप कोशिश करें और मेकअप करें: सप्ताह में सात दिन वर्कआउट करें, पूरी तरह से शराब पीना बंद कर दें, अपनी माँ या प्रेमी या बॉस का सामना करें। आप सब कुछ कर रहे हैं या कुछ नहीं कर रहे हैं; आप जल जाएंगे, निराश हो जाएंगे, या यह उड़ जाएगा, केवल आपकी अक्षमता की कहानी में और अधिक ईंधन जोड़ देगा। धीमी और स्थिर रेस जीतता है।

3. प्रयास पर ध्यान दें, परिणाम पर नहींकभी-कभी आपके प्रयासों से आपको वह परिणाम नहीं मिलेगा जो आप चाहते हैं। आपको अपने शेड्यूल के बारे में अपने बॉस से बात करने का साहस मिलता है, और वह फिर भी इसे नहीं बदलती है। आप दो सप्ताह तक कसरत करते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ भी नहीं बदला है। कोई बात नहीं। आगे जो होता है उससे सफलता को मत मापो, बल्कि इसे करके ही मापो। अंत में, लक्ष्य परिणाम नहीं है - चाहे आप वह हासिल कर लें जिसके लिए आप प्रयास कर रहे हैं - लेकिन प्रक्रिया - जोखिम लेना, अपने आराम क्षेत्र से बाहर कदम रखना, विश्वास करने के बजाय करना, या यह विश्वास करने के बावजूद कि आप नहीं कर सकते। और कभी-कभी, आप वह हासिल कर लेंगे जो आप चाहते हैं। जैसे ही आप इन अनुभवों को जमा करते हैं और जोखिम लेने में अधिक सहज हो जाते हैं, आप कहानी को बदल देंगे। अब आप हारे हुए नहीं हैं; आप वास्तव में साहसी, आत्मविश्वासी और सक्षम हैं।

ये बैंक दे रहा है हर महीने 90 हजार रुपये कमाने का जरिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आप नौकरी की तलाश में हैं या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं या साइड बिजनेस खोलने की सोच रहे हैं, अगर हां तो यह खबर सिर्फ आपके लिए है। दरअसल एसबीआई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से आप आसानी से 90 हजार रुपये कमा सकते हैं।आपको बता दें कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आपको एक बेहतरीन मौका दे रहा है। आप एसबीआई एटीएम फ्रेंचाइजी लेकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। एसबीआई अपना एटीएम स्थापित नहीं करता है। यह कंपनियों को अनुबंध के आधार पर अलग-अलग जगहों पर एटीएम लगाने की सुविधा देता है। एसबीआई एटीएम फ्रेंचाइजी शर्तें सबसे पहले आपके पास 50 से 80 वर्ग फुट जगह होनी चाहिए। यह जगह भूतल पर होनी चाहिए, ताकि यह सभी को दिखाई दे। इसमें 24 घंटे बिजली आपूर्ति के साथ एक किलोवाट बिजली कनेक्शन होना चाहिए। एटीएम ऑटोमेटेड टेलर मशीन की क्षमता प्रतिदिन लगभग 300 लेनदेन होनी चाहिए। एटीएम मशीन लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करना होगा।एसबीआई एटीएम के लिए दस्तावेजों की सूची,आईडी प्रूफ : एसबीआई एटीएम के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड पता प्रमाण के रूप में राशन कार्ड, बिजली बिल बैंक खाता और पासबुक फोटोग्राफ, ई-मेल आईडी, फोन नंबर जीएसटी नंबर, वित्तीय दस्तावेज, अन्य कागजात। ऐसी कई कंपनियां हैं जो एटीएम फ्रेंचाइजी सेवाएं प्रदान करती हैं। शीर्ष सेवा प्रदाता टाटा इंडिकैश, मुथूट एटीएम और इंडिया वन एटीएम हैं।

आप कंपनियों की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी एटीएम फ्रेंचाइजी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वहीं, आप बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आसानी से एसबीआई एटीएम के लिए आवेदन कर सकते हैं।आपको प्रत्येक नकद लेनदेन पर 8 रुपये और गैर-नकद लेनदेन पर 2 रुपये मिलते हैं। निवेश पर रिटर्न सालाना आधार पर 33-50 प्रतिशत के बीच बदलता रहता है। उदाहरण के लिए, यदि आप इसे इस तरह से समझते हैं, यदि आपके एटीएम के माध्यम से प्रतिदिन 250 लेनदेन किए जाते हैं। जिसमें 65 फीसदी कैश ट्रांजैक्शन और 35 फीसदी नॉन कैश ट्रांजैक्शन हैं तो प्रतिमाह कमाई करीब 45 हजार होगी। वहीं, रोजाना 500 से ज्यादा ट्रांजेक्शन करने पर 80 से 90 हजार की कमाई होगी।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा